म्हारा पियर में साहिबा

म्हारा पियर में साहिबा,
बोई गणगौर,
आसि बोल रही कोयलिया,
नाचि रया मोर,
म्हारा पियर म साहिबा,
बोई गणगौर...

मैया और बाबुल की,
याद घनी आव,
याद घनी आव,
मख चैन नहीं आव,
म्हारा बाबुल का आंगन में,
नाच रया मोर,
म्हारा पीहर म साहिबा,
बोई गणगौर...

भाई कीरसानिया की,
याद घनी आव,
याद घनी आव,
मख चैन नहीं आव की,
रसानिया का आंगन में,
नाचीरया मोर,
म्हारा पीहर म साहिबा,
म्हारा पीहर म साहिबा,
बोई गणगौर....

भाई झमरालिया की,
याद घनी आव,
याद घनी आव मख,
चैन नहीं आव,
झमरालिया का आंगन में,
नाचीरया मोर,
म्हारा पीहर म साहिबा,
बोई गणगौर....

भाई सुनारया की,
याद घनी आव,
याद घनी आव मख,
चैन नहीं आव,
सुनारया का आंगन में,
नाचीरया मोर,
म्हारा पीहर म साहिबा,

बोई गणगौर....

संग की सहेली की,
याद घनी आव,
याद घनी आव मख,
चैन नहीं आव,
म्हारी सखियन का आंगन में,
नाचीरया मोर,
म्हारा पीहर म साहिबा,
बोई गणगौर...

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/26718/title/mhara-piyar-me-sahiba

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |